Topic 1 :– नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) को अनिवार्य बनाएगी सरकार

चर्चा में क्यों :– केंद्र सरकार के द्वारा पिछले वर्ष निर्णय लिया गया था कि वह नाविक को अनिवार्य बनाएगी अब इसके ऊपर कार्य करना प्रारंभ कर दिया गया है

NavIC, एक स्वतंत्र स्टैंड अलोन नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है। इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO / इसरो) द्वारा विकसित किया गया है । इसको सात उपग्रहों के समूह के साथ डिज़ाइन किया गया है।

3 उपग्रह भू-स्थिर कक्षा (Geostationary orbit) में और 4 उपग्रह झुकी हुई भू-तुल्यकालिक कक्षा (Geosynchronous orbit) में स्थापित हैं।

- पहले नाविक को भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) के नाम से जाना जाता था।
- नाविक पूरे भारतीय भूभाग और इसकी सीमाओं से 1,500 किमी (930 मील) तक की दूरी को कवर करती है।
- पहले नाविक को भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) के नाम से जाना जाता था।

GPS की तुलना में NaviC के लाभ:

यह अपने स्पेक्ट्रम के दोहरे फ्रीक्वेंसी बैंड के कारण 10 मीटर की बेहतर पोजिशनिंग सटीकता प्रदान करता है। इसके विपरीत, GPS की पोजिशनिंग सटीकता 20 मीटर है।

GPS के विपरीत, NavIC उपग्रह पृथ्वी की सतह से काफी ऊपर हैं। इस कारण हिमालय के पहाड़ों या स्थलीय सतहों पर सिग्नल में कम रुकावटें पैदा होती हैं।

विश्व के अन्य नेविगेशन सिस्टम

अमेरिका का GPS.
रूस का GLONASS.
यूरोपीय संघ का गैलीलियो
चीन का BeiDou।

दो क्षेत्रीय सिस्टम: भारत का NavIC. जापान का QZSS.

Result Mitra

Topic 2:– वैश्विक टीकाकरण से "154 मिलियन लोगों की जान बचाई गई"

चर्चा में क्यों:–

WHO ने हाल ही में एक अध्ययन कर रिपोर्ट प्रकाशित की है जिसके अनुसार "वैश्विक टीकाकरण के माध्यम से पिछले 50 सालो में लगभग 154 मिलियन लोगों की जान बचाई गई"

अध्ययन का नाम :– "टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम (Expanded Programme on Immunization: EPI)

किसके द्वारा किया गया यह अध्ययन :– विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के नेतृत्व में ।
टीकाकरण का कार्यक्रम WHO द्वारा 1974 में शुरू किया था।

टीकाकरण के उद्देश्य :– सभी राष्ट्रों के सभी बच्चों को जीवन रक्षक टीकों का लाभ पहुंचाना ।

अध्ययन के प्रमुख बिंदुओं :–

:– अलग अलग प्रकार के टीकों के कारण पिछले 50 वर्षों में हर एक मिनिट में 6 लोगों की जान बचाई गई है।

इस अभियान में खसरे (Measles) के टीकाकरण की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही जिससे शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई ।

इस अभियान के अंतर्गत शिशुओं को विशेष प्रकार की 14 बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण ने कारण वैश्विक स्तर पर शिशु मृत्यु दर को 40% तक कम किया जा सका ।

टीकाकरण तक पहुंच सुनिश्चित होने के प्रमुख कारण :·

टीकाकरण के कार्यक्रम में अलग-अलग संस्थाओं का शामिल होना जैसे कि सरकार।, NGO's, स्वास्थ्य एजेंसियां।

वैक्सीन को सभी भौगोलिक क्षेत्र में पहुंचने में महत्वपूर्ण योगदान यूनिसेफ और GAVI का रहा है।

टीकाकरण में चुनौतियां :–

- टीकाकरण के लिए पर्याप्त वित्त का उपलब्ध न होना
- सभी समुदायों तक टीकाकरण की पहुंच ना होना
- सभी क्षेत्रों में टीकाकरण का प्रभावी रूप से प्रारंभ ना किया जा सकना
- टीकाकरण के बारे में जागरूकता अभियान ना चलाया जा सकना।
- टीकाकरण के साइड इफेक्ट्स की लोगों तक सूचना न पहुंच पाना

भारत में टीकाकरण से संबंधित पहलें

• **मिशन इंद्रधनुष : –** मिशन इंद्रधनुष को 2014 में केंद्र सरकार के द्वारा चालू किया गया था

उद्देश्य :– ऐसे बच्चों का जिनका टीके से बचाव योग्य बीमारियों के खिलाफ आंशिक टीकाकरण हुआ उन सभी बच्चों को कवर करना है।

ऐसे बच्चे जिनको अभी तक कोई टीका नहीं लगाया गया है सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) के अंतर्गत उन बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करना ।

मिशन इंद्रधनुष के बाद 2017 में सघन मिशन इंद्रधनुष योजना को लेकर आया गया

जिसका उद्देश्य :– दो वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चो का टीकाकरण करना।

ऐसी गर्भवती महिलाएं जिन्हे किसी भी टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत सामिल नहीं किया गया है उन्हें सभी सभी टीकाकरण कार्यक्रम में सामिल करना।

Result Mitra

इस टीकाकरण के कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार के द्वारा यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म को लॉन्च किया गया है

सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (Universal Immunization Programme (UIP) - Ministry of Health and Family Welfare) का कार्यक्रम है जिसके तहत 12 जानलेवा बीमारियों के खिलाफ निःशुल्क टीके लगाए जाने का प्रावधान है।

इस टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत इन 12 बीमारियों को कर किया गया है: पोलियो, क्षय रोग (टीबी), डिप्थीरिया, काली खांसी (pertussis), टिटनेस, मेनिनजाइटिस, निमोनिया, रोटावायरस डायरिया, खसरा एवं रुबेला, हेपेटाइटिस-बी,न्यूमोकोकल निमोनिया और जापानी एन्सेफलाइटिस।

गावी (GAVI) के बारे में

- ऐसे जनवरी 2000 में लॉन्च किया गया था।
- यह सदस्य राष्ट्रों के बीच एक वैक्सीन अलायंस है।
- गावी में सदस्य के रूप में देश के साथ-साथ NGO's और कई संस्थाएं शामिल हैं जैसे की :–
- बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (BMGF),WHO और यूनिसेफ ।
- भारत गावी का पहला ऐसा सदस्य देश बन गया है जो इसकी योजनाओं का कार्यान्वयनकर्ता भी है और इस संस्था को 2014 से दान भी दे रहा है

गावी को स्थापित करने के उद्देश्य:–

दुनिया के सभी गरीब देश के बच्चों और महिलाओं तक टीकाकरण की पहुंच को सुनिश्चित करना।

टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम (EPI) के प्रभाव का विस्तार करना ।

Topic 3 :– कलेसर वन्यजीव अभयारण्य (KWS)

Result Mitra

चर्चा में क्यों :· हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कलेसर वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत प्रस्तावित चार बांधों के निर्माण पर रोक लगा दी है।

रोक लगाने का कारण :– सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बांधों का निर्माण न केवल कलेसर में वन्यजीवों और आबादी के लिए हानिकारक होगा बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भी नुकसानदेह होगा।

कोर्ट ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए बांधों का निर्माण प्रस्तावित है, वह भी हासिल नहीं किया जा सकेगा।

कलेसर वन्यजीव अभयारण्य के अंदर इन चार बांधों का निर्माण होना है चिकन, कांसली, खिल्लनवाला और अंबावली के निर्माण

यह अभ्यारण हरियाणा के यमुनानगर जिले में अवस्थित है

अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य :–

- कलेसर वन्यजीव अभयारण्य हरियाणा का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है।
- यह अभयारण्य हिमालय की तलहटी में निचले शिवालिक के अंतर्गत स्थित है।
- यह अभयारण्य हरियाणा, उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश राज्यों की सीमा पर अवस्थित है।
- अभयारण्य के पूर्व में यमुना नदी प्रवाहित होती है।
- यह एक महत्वपूर्ण पक्षी अभयारण्य के साथ ही एक महत्वपूर्ण जैव-विविधता क्षेत्र (IBAs) भी है।
- कलेसर अभयारण्य में मौजूद वन पर्णपाती वन है जिनकी विशेषता उनके चौड़ी पत्ती वाले पर्णपाती वृक्ष होते हैं
- यहां मौजूद प्रमुख वृक्ष :– साल, खैर, शीशम, तून, सेन और आंवला आदि ।
- इस अभ्यारण में पाए जाने वाले प्रमुख जीव-जंतुः तेंदुआ, स्लॉथ भालू (मेलर्सस उर्सिनस), लकड़बग्घा आदि।

Result Mitra

हरियाणा में दो राष्ट्रीय उद्यान मौजूद हैं :–

1.सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान
2.कलसर राष्ट्रीय उद्यान

हरियाणा में 8 वन्यजीव अभयारण्य हैं :–

ररितान, पिंजौर (पंचकूला), बीर शिकाराग (मोरनी) , छिलछिला वन्यजीव अभयारण्य (कुरुक्षेत्र) , अबुबशहर वन्यजीव अभयारण्य (सिरसा ज़िले में स्थित) , नाहर वन्यजीव अभयारण्य (रेवाड़ी) ।

Result Mitra